MAHD–09

December – Examination 2021

M.A. (Final) Examination

HINDI

लोक साहित्य

Paper : MAHD-09

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) लोक साहित्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) कथानक रूढ़ि की आवश्यकता क्यों रहती है ? दो कारण लिखिए।

(iii) राजस्थान के **दो** लोकनृत्यों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) लोक मानस के **चार** लक्षण बताइए।

(v) तमाशा और नौटंकी में मुख्य अंतर क्या है ?

(vi) लोकगीत की **दो** भावगत विशेषताएँ लिखिए।

(vii) मालवी लोक साहित्य एवं राजस्थानी लोक साहित्य की **दो** समानताएँ बताइए।

(viii) पाबूजी का परिचय दीजिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. लोक साहित्य की विविध विधाओं का परिचय दीजिए।

3. राजस्थान की प्रमुख लोकगाथाओं का साहित्यिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

4. लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. "लोकगीत हमारी संस्कृति की धरोहर है।"—कथन की युक्ति-युक्त समीक्षा कीजिए।

6. 'लोकवार्ता' की परिभाषा देते हुए इसके प्रमुख लक्षण बताइए।

7. हरियाणवी लोक साहित्य की विशेषताओं को उदाहरण सहित लिखिए।

8. राजस्थान के किसी **एक** लोक देवता का परिचय देते हुए उनके योगदान का उल्लेख कीजिए।

9. टिप्पणी लिखिए :

(क) अभिजात्य साहित्य

(ख) लोक नाटक